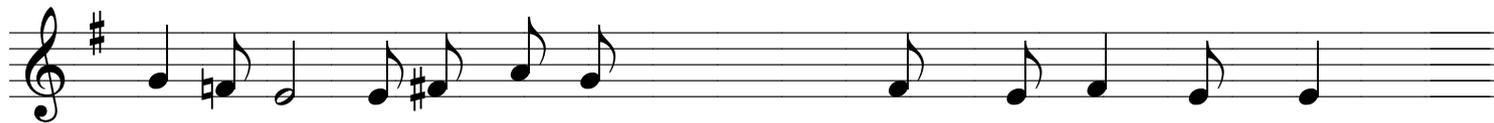


1 Кор 1,18-2,2

Апостольское чтение на Вынос Плащаницы



К Ко. рин. фя. ном, по. слания свя. та. го апостола Пав. ла чте. ни. е.



Бра. ти. е, сло. во крест. ное погибающим убо ю. род. ство есть,



а спа. са. емым нам си. ла Божия есть. Пи. сано бо есть:



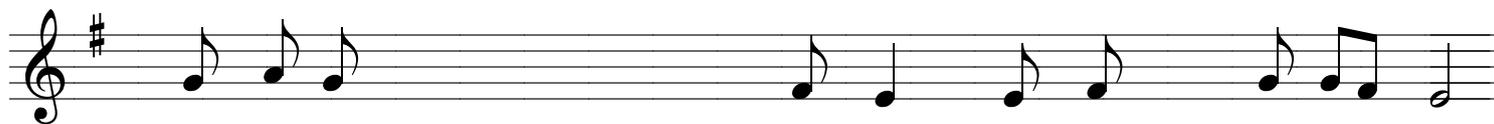
погуб. лю пре. мудрость пре. муд. рых, и разум ра. разумных от. вер. гу.



Где пре. мудр? Где книж. ник? Где сово. прос. ник века се. го?



Не обу. и ли Бог пре. муд. рость века се. го? По. не. же бо



в пре. муд. рости Божией, не разу. ме мир пре. мудрости. ю Бо. га,



благо. из. во. лил Бог, буйством про. поведи спа. сти ве. рую. щих.



По. не. же и И. у. де. е зна. ме. ни. я просят, и Эл. лини пре. мудро. сти и. щут.



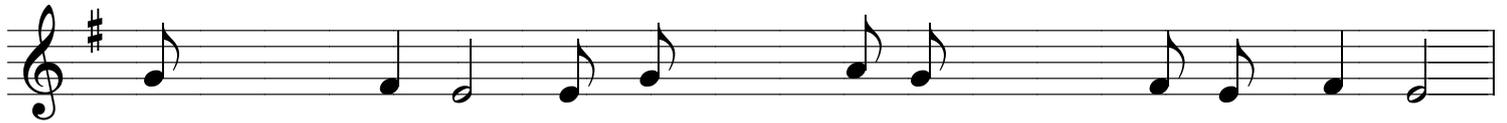
Мы же про. по. ве. дуем Хри. ста рас. пя. та, И. у. де. ем у. бо со. блазн,



Эл. лином же бе. зу. ми. е. Са. мем же зван. ным, Иудеем же и Эл. ли. ном,



Хри. ста, Божи. ю си. лу и Божи. ю пре. муд. рость. За. не бу. ее Божие,



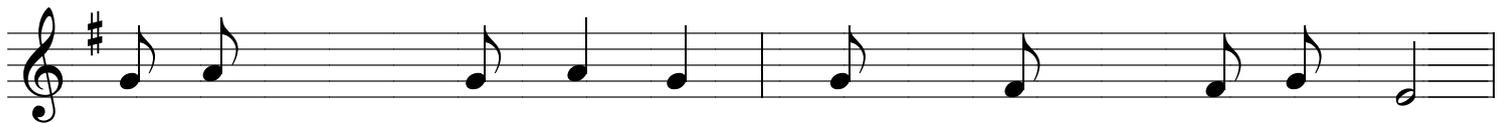
премудрее чело. век есть, и немощное Божие, крепчайе че. ло. век есть



Видите бо зва. ние ваше, бра. ти. е, яко не мно. зи премуд. ри по пло. ти?



не мно. зи ли силь. ни? не мно, зи ли бла, го, род, ни?



Но буая мира из. бра Бог да пре мудрыя по. сра. мит.



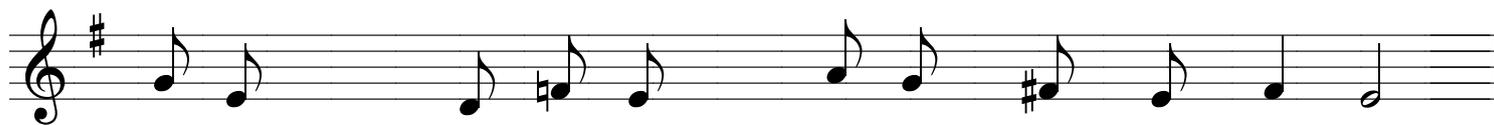
и не. мощ. на. я ми. ра из. бра Бог да по сра. мит креп. ка. я,



и худо. родная ми. ра и у. ни. чи. женная из. бра Бог и не су. ща. я,



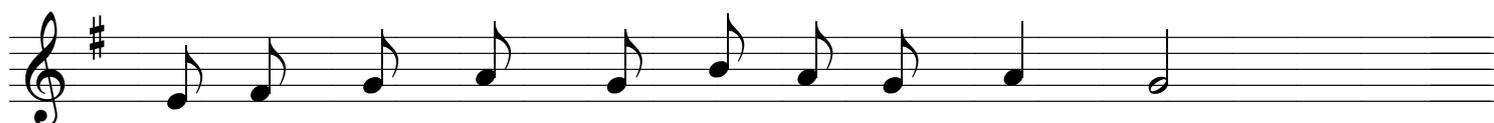
да суца. я у. празд. нит.



Я. ко да не по. хва. лится вся. ка плоть пред Бо. гом.



Из Не. го же вы ес. те о Хри. сте И. и. су. се,



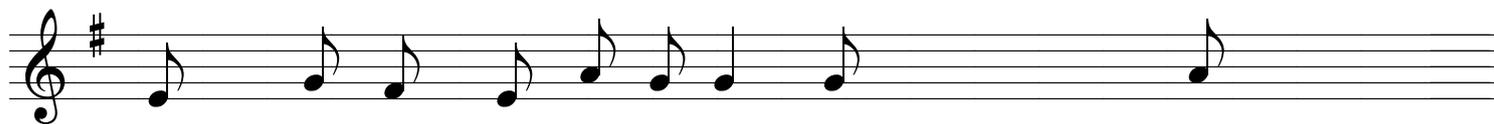
И. же бысть нам пре. му. дрость от Бо. га.



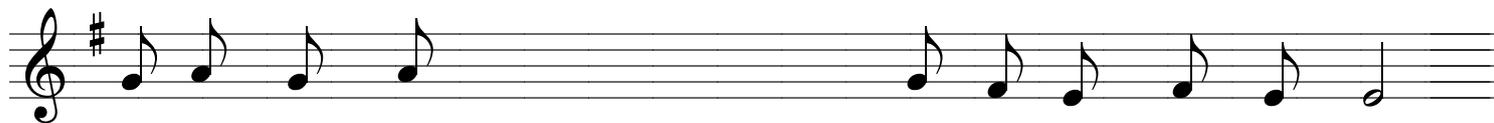
прав. да же и о. свя. щение и из. бав. ле. ни. е.



Да я. ко. же пи. шет. ся: хваляйся о Гос. по. де да хва. лит. ся.



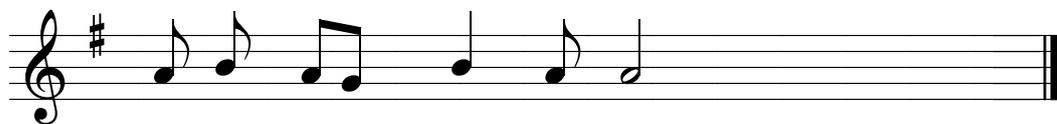
и аз при. шел к вам, бра. ти. е. приидох не по превос. ходному словеси,



и. ли пре. мудрости, возвещая вам сви. де. тель. ство Бо. жи. е.



Не су. дих бо ве. де. ти что в вас, то. чию И. и. су. са Хри. ста,



и Се. го рас. пя. та.